विक्रमशिला सेतु के समानांतर बनेगा फोरलेन पुल

संवाददाता ▷ भागलपुर

विक्रमशिला सेतु के समानांतर फोरलेन पुल बनना तय हो गया है. विक्रमशिला सेतु से सट कर ही पुल बनेगा. सेतु के पूरब में पुल बनाने के लिए मिट्टी की जांच शुरू हो गयी है. मुंबई की कंसल्टेंट एजेंसी स्टूब एंड रोडिक को डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने की जिम्मेदारी मिली है. इसको ही सर्वे भी कराना है, साथ ही डीपीआर भी तैयार करनी है. मिट्टी की जांच के लिए नालंदा से टीम बुलायी गयी है. टीम में सात-

आठ एक्सपर्ट हैं. टीम गंगा के छाड़न में मशीनरी उपकरण के साथ कैंप कर रही है. एक्सपर्ट जगह-जगह पर बोरिंग कर भूगर्भ से मिट्टी के नमूने को ले रहे हैं.

- **नालंदा से आयी मिट्टी की जांच के लिए टीम**
- **मिट्टी के नमूने को पटना या मुंबई की प्रयोगशाला में भेजा जायेगा**

अबतक दो जगहों की मिट्टी का नमूना जमा किया गया है. मिट्टी के नमूने को पटना या मुंबई की प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा जायेगा. इधर, मिट्टी की जांच रिपोर्ट आने तक उन्हें सर्वे कार्य को भी पूरा कर लेना है, ताकि मिट्टी जांच व सर्वे रिपोर्ट दोनों एक साथ पुल निर्माण निगम, पटना को सौंपा जा सके. ये दोनों काम पूरा होने के तुरंत बाद कंसल्टेंट एजेंसी को डीपीआर बननी है. सारी प्रक्रियाओं को पूरी करने के लिए उन्हें पुल निर्माण निगम से लगभग छह माह का वक्त मिला है. मालूम हो कि मुख्यमंत्री ने विक्रमशिला सेतु पर बढ़ते ट्रैफिक लोड और असमय इसके जर्जर होने की स्थिति में चार मार्च, 2016 को समानांतर में सेतु बनाने की घोषणा की गयी थी. इसके बाद से डीपीआर बनाने के लिए कंसल्टेंट खोजा जा रहा था.

छह माह में पूरी होगी प्रक्रिया

कंसल्टेंट एजेंसी को डीपीआर बनाने की जिम्मेदारी सौंप दी गयी है. उन्हें मिट्टी की जांच, सर्वे एवं डीपीआर तैयार करनी है. मिट्टी की जांच एवं सर्वे रिपोर्ट के बाद डीपीआर बनेगी. एजेंसी को सारी प्रक्रियाएं छह माह में पूरी करनी हैं. यह राज्य सरकार के बजट से बनेगा. डीपीआर बनने के बाद स्वीकृति मिलने के साथ ही टेंडर निकाला जायेगा.

उत्तम कुमार, डिप्टी चीफ इंजीनियर (साउथ बिहार), बिहार राज्य पुल निर्माण निगम, पटना